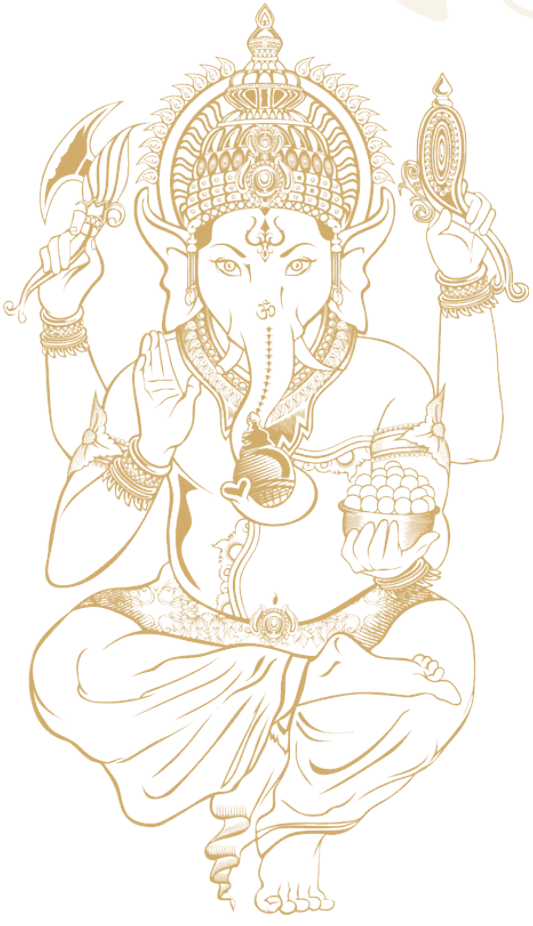

Vishal Rathi

13 Sep 2003

09:59 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/09/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:59:00 घंटे**
इष्ट	09:47:18 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:42:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:47 घंटे
सूर्योदय	06:04:04 घंटे
सूर्यास्त	18:20:21 घंटे
दिनमान	12:16:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:04:48 सिंह
लग्न के अंश	20:46:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:46:20	329:22:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	26:04:48	00:58:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			मीन	24:49:34	12:11:51	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	07:30:13	00:10:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	21:59:59	00:54:48	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	09:43:28	00:12:48	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र		अ	कन्या	03:00:59	01:14:31	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	17:42:00	00:04:23	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मेष	28:19:37	00:06:14	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:19:37	00:06:14	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:10:00	00:02:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:54:28	00:01:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:23:32	00:00:30	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	21:04:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:18

लग्न-चलित

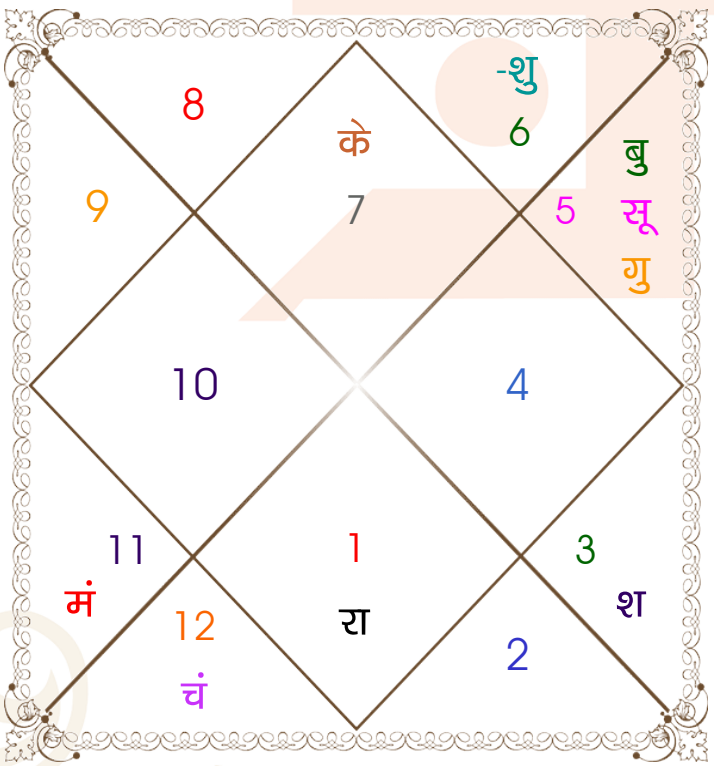

चन्द्र कुंडली

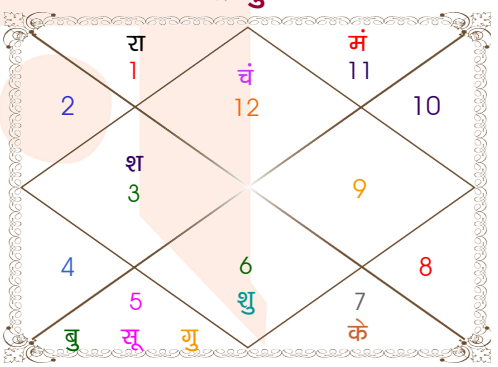

नवमांश कुंडली

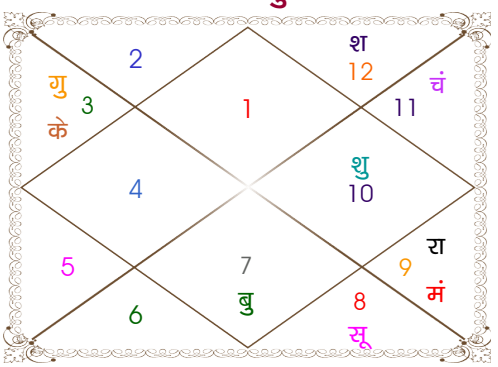

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 7 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
13/09/2003		18/04/2010		18/04/2017		18/04/2037		19/04/2043	
18/04/2010		18/04/2017		18/04/2037		19/04/2043		18/04/2053	
	00/00/0000	केतु	14/09/2010	शुक्र	18/08/2020	सूर्य	06/08/2037	चंद्र	17/02/2044
	00/00/0000	शुक्र	15/11/2011	सूर्य	18/08/2021	चंद्र	04/02/2038	मंगल	17/09/2044
	00/00/0000	सूर्य	21/03/2012	चंद्र	19/04/2023	मंगल	12/06/2038	राहु	19/03/2046
	00/00/0000	चंद्र	21/10/2012	मंगल	18/06/2024	राहु	07/05/2039	गुरु	19/07/2047
	00/00/0000	मंगल	19/03/2013	राहु	18/06/2027	गुरु	23/02/2040	शनि	16/02/2049
	13/09/2003	राहु	06/04/2014	गुरु	16/02/2030	शनि	04/02/2041	बुध	19/07/2050
राहु	03/05/2005	गुरु	13/03/2015	शनि	18/04/2033	बुध	12/12/2041	केतु	17/02/2051
गुरु	09/08/2007	शनि	21/04/2016	बुध	17/02/2036	केतु	18/04/2042	शुक्र	17/10/2052
शनि	18/04/2010	बुध	18/04/2017	केतु	18/04/2037	शुक्र	19/04/2043	सूर्य	18/04/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/04/2053		18/04/2060		18/04/2078		18/04/2094		19/04/2113	
18/04/2060		18/04/2078		18/04/2094		19/04/2113		00/00/0000	
मंगल	14/09/2053	राहु	30/12/2062	गुरु	06/06/2080	शनि	21/04/2097	बुध	16/09/2115
राहु	03/10/2054	गुरु	25/05/2065	शनि	18/12/2082	बुध	30/12/2099	केतु	12/09/2116
गुरु	09/09/2055	शनि	31/03/2068	बुध	25/03/2085	केतु	08/02/2101	शुक्र	14/07/2119
शनि	17/10/2056	बुध	18/10/2070	केतु	01/03/2086	शुक्र	10/04/2104	सूर्य	19/05/2120
बुध	15/10/2057	केतु	05/11/2071	शुक्र	30/10/2088	सूर्य	23/03/2105	चंद्र	19/10/2121
केतु	13/03/2058	शुक्र	05/11/2074	सूर्य	18/08/2089	चंद्र	22/10/2106	मंगल	16/10/2122
शुक्र	13/05/2059	सूर्य	30/09/2075	चंद्र	18/12/2090	मंगल	01/12/2107	राहु	14/09/2123
सूर्य	18/09/2059	चंद्र	31/03/2077	मंगल	24/11/2091	राहु	07/10/2110		00/00/0000
चंद्र	18/04/2060	मंगल	18/04/2078	राहु	18/04/2094	गुरु	19/04/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 7 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।